B.A. II 29/11/2022

④ पेरु की कपास → यह पेरु मे जंगली अवस्था मे ही वृक्षो से प्राप्त की जा सकती है। इसका रेशे ऊन के समान मजबूत खुरदरा और लगभग 30 मीलीमीटर लम्बा होता है। ऊन के साथ मिलाकर कपड़ा बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

उत्पादक क्षेत्र → विश्व के 91 देश कपास उत्पादन करते है। अधिकतम कपास 30° दक्षिणी और 40° उत्तरी आक्षांश के मध्य वाले क्षेत्रो मे आती है। कपास के प्रमुख उत्पादन देश संयुक्त राज्य अमेरिका भारत - मिस्र - चीन - रूस - इराक - पाकिस्तान - मैक्सिको - कोलम्बिया - पेरू अर्जेण्टाइना कजाकस्तान यूक्रेन और ब्राजील है।

संयुक्त राज्य अमेरिका → संयुक्त राज्य अमेरिका का कपास पैदा करने वाले देशो मे वर्तमान मे दूसरा स्थान है। अमेरिका के उत्तरी भाग मे कपास उत्पादक क्षेत्रो का तापमान 26°C और दक्षिणी भाग का तापमान 28°C से 29°C तक रहता है। जहा 200 दिन पाला रहित मौसम तक होती है। मुख्य उत्पादक दक्षिण भाग मे यह ऋतु लगभग 300 दिन तक रहती है। सारे क्षेत्रो मे वर्षा 55 से०मी० से 125 से०मी० तक होती है। मुख्य उत्पादक क्षेत्र 37° उत्तरी आक्षांश से दक्षिण की ओर तथा 100° पश्चिमी देशान्तर रेखा के पूर्व की ओर फैला है। पूर्व मे इसकी सीमा अटलान्टिक महासागर तथा पश्चिमी सीमा पतझड़ कालीन 50 सेमी ~~वर्षा रेखा~~ है। वर्षा रेखा निर्धारित करती है।

Date: / /

यह क्षेत्र लगभग 2500 किमी लम्बा और 500 से 800 किमी चौड़ा है।

(2) भारत → भारत विश्व के कपास का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां मटियार चूने वाली काले रंग की मिट्टी खानदेश बरार भड़ौच सूरत और दक्षिण सौराष्ट्र मे मिलती है। भारत मे दो प्रकार की कपास उत्पन्न की जाती है।

(i) देशी या छोटे रेशे वाली कपास जिसका रेशा 25 मिली मीटर से कम होती है। यह कपास मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान मे बोयी जाती है।

(ii) लम्बे रेशे वाली अमरीकी कपास (37.5 मीली लम्बे रेशे वाली) विशेषतः गुजरात महाराष्ट्र आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु मे बोयी जाती है।

(3) मिस्त्र → मिस्त्र मे कपास का उत्पादन रेतीली भूमि मे होता है। जहा उसे सेकरा कहते है। कुछ कपास काली भूमि मे पैदा करता है। यहा अन्न होने अलग-अलग प्रकार की कपास मे भूरी कपास मितारकी तथा सकेल मुख्य है। नील नदी के मुहाने के आस पास समस्त भाग साकेल प्रकार की कपास पैदा करता है। यहा भूरी कपास मध्य मिस्त्र मे पैदा होती है।

(4) चीन → कपास उत्पादन की दृष्टि से चीन का विश्व मे तृतीय स्थान है। देश के बड़े भागो मे इसकी खेती होती है। परन्तु उत्पादन की दृष्टि से तीन प्रमुख क्षेत्र वाली

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया